दिनांक 03 जुलाई, 2009 को
रेल बजट 2009-10 के प्रस्तुतीकरण के अवसर पर
माननीय रेल मंत्री सुश्री ममता बनर्जी का भाषण

माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं भारतीय रेल के वर्ष 2009-10 के लिए बजट अनुमान प्रस्तुत कर रही हूँ. मैं इस सम्मानित सदन में देश की पहली महिला लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में अपना पहला रेलवे बजट प्रस्तुत करते हुए अत्यधिक गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ.

2. यह पहला रेलवे बजट है जो मैं संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में एक मंत्री के रूप में प्रस्तुत कर रही हूँ. मैं हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी की उनके अमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए अत्यन्त आभारी हूँ और मैं हमारे माननीय वित्त मंत्री जी की भी उनके द्वारा दिए गए समर्थन के लिए बहुत आभारी हूँ. मैंने पहले भी दो रेलवे बजट प्रस्तुत किए हैं और यह मेरा तीसरा रेलवे बजट होगा.

3. महोदया, मैं जानती हूँ कि देश के सभी भागों से चुनकर आये हमारे माननीय संसद सदस्यों की भारतीय रेलों से बहुत उम्मीदें हैं. वे अपने राज्यों और अपने चुनाव क्षेत्रों में नई परियोजनाएं लगवाना चाहते हैं. वे चाहते हैं कि उनके यहाँ और अधिक नई लाइनें हों, अधिक बजट की व्यवस्था हो और वर्तमान परियोजनाएं भी शीघ्रता से पूरी की जाएं. नई गाड़ियां और बेहतर रेल सेवाएं चाहते हैं.

4. रेलवे सरकार का वह चेहरा है जो सबको दिखाई देता है और हमें इस पर गर्व है. महोदया, इस सम्मानित सदन के समक्ष खड़ी होकर मैं एक प्रश्न पूछने की अनुमति चाहती हूँ कि क्या रेलवे की परियोजनाओं को केवल 'आर्थिक व्यावहारिकता' के पैमाने पर ही तोला जाए या फिर इन्हें 'सामाजिक दृष्टिकोण' के पैमाने से भी देखा जाए? क्या विकास के लाभ केवल कुछ सुविधा संपन्न लोगों तक ही सीमित रखे जाएं और हमारे देश की दूर-दराज और पिछड़े इलाकों में रहने वाली अधिकांश जनसंख्या को इससे वंचित रखा जाए? हो सकता है कि ये परियोजनाएं आर्थिक पैमाने पर खरी न उतरती हों, परन्तु फिर भी वे पिछड़ेपन और गरीबी की मार झेलते क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए आवश्यक हैं. उनको तो इन परियोजनाओं की और भी अधिक जरूरत है. मेरा पूरा

विश्वास है और मैं इस संबंध में दृढ़प्रतिज्ञ हूँ कि पददलित और सुविधाओं से वंचित लोगों का उत्थान किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश का समग्र रूप से सामाजिक एवं आर्थिक विकास हो सके. हो सकता है कि ये परियोजनाएं जो वंचित एवं सुविधाहीन लोगों के उन्नयन के लिए आवश्यक हैं, तथाकथित आर्थिक मानदंडों के अनुरूप न हों लेकिन इनसे वास्तविक आर्थिक परिसंपत्तियों का सृजन होगा जो भावी विकास के लिए बहुत लाभदायक होगा.

5. हमें आजादी मिले बहुत साल हो गये हैं. जिस प्रकार लोकतंत्र में वोट डालने का अधिकार सबको है, उसी तरह विकास का अधिकार भी हर आम इंसान को प्राप्त होना चाहिए. लाखों लोग प्रगति के इंतजार में बैठे हैं. अब वक्त आ गया है कि उनको विकास में अपना हिस्सा मिलना चाहिए. मैं समझती हूँ कि अब वह समय आ गया है जब हमारे अर्थशास्त्रियों और सामाजिक चिंतकों को यह सोचना होगा कि गरीबों और पददलितों का उत्थान किसी भी समाज और सरकार का एक प्रमुख कल्याणकारी कार्य होना चाहिए और आर्थिक व्यावहारिकता की पुरानी सोच के बदले सामाजिक व्यावहारिकता की बात पर विचार किया जाना चाहिए. जैसाकि हमारी पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री इंदिरा जी ने भी एक बार कहा था कि "गरीबी हटाने के लिए हमें निहित स्वार्थी तत्वों और गरीबी के कारणों पर सीधा प्रहार करना होगा".

6. मेरा विश्वास है कि भारतीय रेलवे जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचे वाली सुविधाओं का निर्माण करने से बड़ी संख्या में देश की आप गरीब जनता के विकास में मदद मिलेगी. रेलवे के लिए विकास की मेरी अवधारणा के यह केन्द्रबिन्दु होगी.

7. अध्यक्ष महोदया, हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी हमेशा 'समावेशी विकास' पर बल देते हैं। रेलवे को अपने कार्यकलापों में इसी "समग्रता" को बढ़ाने के लिए एक आदर्श स्थापित करना होगा ताकि हमारी सोच, निर्णयों और कार्यों में हमारे देश के सभी वर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखा जा सके. इसलिए मैंने यह निश्चय किया है कि एक विशेषज्ञ समिति की स्थापना की जाए जो मुझे यह सलाह देगी कि ऐसे तथाकथित "आर्थिक रूप से गैर-व्यावहारिक" परन्तु सामाजिक दृष्टि से आवश्यक परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण और उनके कार्यान्वयन के लिए कौन से नए उपाय हो सकते हैं. हम ऐसे क्षेत्रों का पता लगाएंगे जो किसी भी प्रकार के बुनियादी ढांचे के विकास और सुविधाओं से वंचित हैं, और थोड़े समय के भीतर ही मैं एक ऐसा खाका तैयार करूंगी कि आने वाले पांच वर्षों में ऐसी कितनी योजनाओं को कार्यान्वित किया जा सकता है.

8. महोदया, हमें इस मामले में एक सही संतुलन बनाना होगा. सभी जानते हैं कि भारत में बदलाव आ रहा है और वह भी बड़ी तेजी से. भारतीय रेल इस बदलाव के साथ ताल से ताल मिलाकर चलने का प्रयास करती रही है. वास्तव में रेलवे इस बदलाव में अपनी ओर से महत्वपूर्ण योगदान दे रही है. आज भारत के लोग तेज गति से समावेशी आर्थिक प्रगति के लिए बेताब हैं. वे बेहतर संपर्क सुविधाएं, और रोजगार के बेहतर अवसर चाहते हैं. प्रत्येक राज्य के सभी क्षेत्रों के लोग कृषि, उद्योग, व्यापार एवं व्यवसाय में प्रगति चाहते हैं ताकि वे और उनके बच्चे एक बेहतर जिंदगी जी सकें. भारतीय रेल विकास के लिए बुनियादी ढांचे के सृजन के लिए एक अद्वितीय तंत्र है और यह हमारा मिशन और हमारी सोच है कि देश के प्रत्येक कोने तक विकास लाने के लिए इस तंत्र का विस्तार किया जाए.

9. महोदया, यहाँ मैं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जी की निम्नलिखित पंक्तियां उद्धृत करना चाहूँगी;

“নিজ হস্তে নির্দয় আঘাত করি পিতঃ
ভারতেরে সেই স্বর্গে করো জাগরিত”

"निज हस्ते निर्दय आघात करि पित:
भारतेरे सेइ स्वर्गे करो जागरित"

यात्रियों की सेवा

10. अध्यक्ष महोदया, रेल मंत्री के रूप में अभी कुछ दिन पहले अपना कार्यभार संभालने के बाद मुझे समग्र यात्री सुविधाओं के बारे में बिगड़ती हुई स्थिति के संबंध लगातार शिकायतों का सामना करना पड़ा है. इसलिए इन क्षेत्रों दृष्टिगोचर सुधार करना मेरी प्राथमिकता होगी:

- यात्री सुविधाएं
- साफ-सफाई
- रेलवे खानपान की गुणवत्ता
- संरक्षा एवं सुरक्षा और
- समय-पालन

11. सभी रेलवे जोनों को यह निदेश दिए गए हैं कि वे उत्तम क्वालिटी के भोजन, पीने के पानी एवं शौचालय सुविधाओं की व्यवस्था को प्राथमिकता दें और यह सुनिश्चित करें कि गाड़ियों और स्टेशनों में साफ-सफाई हो. मैंने यह भी निदेश दिए हैं कि **जनता खाना** की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और हम अपने खानपान में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय व्यंजनों को शामिल करेंगे. इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए शीघ्र ही एक व्यापक नीति एक कड़ी मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित की जाएगी.

विश्वस्तरीय स्टेशन

12. हमने 50 स्टेशनों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से युक्त विश्वस्तरीय स्टेशनों के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है. इन स्टेशनों को अभिनव वित्तपोषण तथा सार्वजनिक निजी भागीदारी के जरिए विकसित किया जाएगा. इनमें से कुछ स्टेशन हैं: छत्रपति शिवाजी टर्मिनस मुंबई, पुणे, नागपुर, हवड़ा, सियालदह, भुवनेश्वर, नई दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी, अमृतसर, कानपुर, गुवाहाटी, जयपुर, चेन्नई सेन्ट्रल, तिरूवनंतपुरम सेन्ट्रल, सिकंदराबाद, तिरूपति, बेंगलूरू सिटी, बैय्यापन्नाहल्ली (बेंगलूरू), अहमदाबाद, भोपाल, हबीबगंज, गया जंक्शन, आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, चण्डीगढ़, कोलकाता, न्यू-जलपाईगुड़ी, माजेरहाट, मंगलौर, पोरबंदर, आनंद विहार, बिजवासन, अजमेर जंक्शन और पुरी.

आदर्श स्टेशन

13. महोदया, हम आदर्श स्टेशनों को इस तरह से विकसित करेंगे जिससे कि मूलभूत सुविधाएं जैसे पीने का पानी, पर्याप्त संख्या में शौचालय, खानपान सेवाएं, प्रतीक्षालय एवं डॉर्मिटरी विशेषकर महिला यात्रियों के लिए, बेहतर **सार्वभौमिक रूप से उपलब्ध** हों. इस वर्ष हम 375 स्टेशनों को आदर्श स्टेशनों में शामिल करेंगे. साइनेज तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं 309 पहचान किए गए

स्टेशनों की सूची इस प्रकार है: अबोहर, आदि सप्तग्राम, आद्रा, अगरपाड़ा, अहमदपुर जं, अकरा, अलीपुरद्वार जं, अम्बिका कलना, अमेठी, आम्टा, अंधेरी, अंदुल जं, अरनघटा, आसनसोल, अशोकनगर रोड़, अवडी, आजिमगंज सिटी, बडकूला, बागबाजार, बगहाजतिन, बगनान, वैद्यवटी, बालीचक, बालीगंज, बालूरघाट, बंडेल, बांद्रा, बांकुड़ा, बनपुर, बांसबेरिया, बांसपानी, बराकर, बारानगर रोड, बरगछिया, बैरकपुर, बरूईपाड़ा, बरूईपुर, बशीरहाट, बउरिया जं, बीबीडी बाग, बेगमपुर, बेलानगर, बेलापुर, बेलारहाट, बेलगढ़िया, बेलूर, बेलूर मठ, बेरहामपुर कोर्ट, भद्रेश्वर, भांडुप, भासिला, भायंदर, बीदर, विधाननगर रोड, बिहार शरीफ, विमान बंदर, बीरा, बीराटी, बीरनगर, बोलंगिर, बोलपुर, बोंगांव जं, बोरीवली, ब्रेस ब्रिज, बज-बज, बर्धमान, बुराबाजार, केनिंग, चकदा, चक्रधरपुर, चंपाहाटी, चंपापुकुर, चंदननगर, चंदौसी जं, चांदपारा, चर्नी रोड, चेम्बूर, चेंगल, चेन्नै बीच जं, चेन्नै चेटपट, चेन्नै पार्क, छिंदवाड़ा जं, चिंचवाड़, चितरंजन, चित्तूरगढ़ जं, चित्तूर, क्रोम्पेट, चुचुरा, चर्चगेट, कूच विहार, करी रोड, दादर, धानु रोड, दक्षिणेश्वर, दलकोल्हा, डांकुनी जं, दौसा, दिल्ली किशनगंज, देउला, देवलाली, धकुरिया, धनियाखली, धापधपी, धूपगुरी, डायमंड हार्बर, डॉकयार्ड रोड, डोंबीवली, डोमजुर, दमदम कैंट, दमदम जं, दुर्गानगर, दुर्गापुर, दत्तापुकुर, ईडन गार्डेस, फरक्का, फरीदकोट, गंगनापुर, गरबेटा, गरिया, गेदे, घाटकोपर, घुटियारी शरीफ, गोबरडंगा, गोमो जं, गोपालनगर, गोरेगांव, गुमा, गुप्तीपाड़ा, गुरूदास पुर, गुड़गांव, गुसकारा, हबीबपुर, हाबरा, हलीशहर, हरिपाल, हरूआ रोड, हसनबाद, हउर, हुगली, इचापुर, जादबपुर, जगदल, जाजपुर क्योंझर रोड, जलपाई गुड़ी, जमशेदपुर, जांगिरपुर रोड, जयनगर, माजिलपुर, झारग्राम, जियागंज, जिराट, काकद्वीप, कलिकापुर, कलिनारायणपुर जं, कल्याणी, कल्याणी घोषपाड़ा, कल्याणी शीलपंचाल, कल्याणपुर, कमरकुंडु जं, कंचनपारा, काकीनारा, करजत, कसारा, काशीनगर, कटवा जं, खदकी, खाना, खरदाहा, खोपोली, खुर्दा रोड, किंग्स सर्कल, किरनहर, कोलाघाट, कोननगर, कोरापुट जं, कोरूकुपेट, कृष्णानगर सिटी जं, कुल्टी, कुर्ला, लेक गार्डनस्, लक्ष्मीकांतपुर, लालगढ़ जं, लालगोला, लातूर, लिलुआ, लोंडा जं, मदनपुर, मधुबनी, मधुपुर, मध्यमग्राम, मागरा हाट, माझेरग्राम, मलाड़, मालदा टाउन, मल्लिकपुर,

मनावूर, मनकुंडू, मैरिन लाईंस, मशाग्राम, मसलंदपुर, माटुंगा, मछेदा, मेमरी, मिदनापुर, मीरा रोड, मउरीग्राम, मुलुंड, मुंबई सेन्ट्रल (लोकल), मुर्शिदाबाद, नबद्वीपधाम, नहूर, नयागांव, नेहाटी जं, नलगोंडा, नलहाटी जं, नलीकुल, नामखाना, नानूर, नारायण पकुरिया मुरेल, नसीबपुर, नेतरा, न्यू अलीपुर, न्यू बैरकपुर, निश्चिंदापुर, ओखा, पलपारा, पल्टा, पांसुकूरा जं, पनवेल, पारसनाथ, पार्क सर्कस, पर्ली वैजनाथ, पाटीपुकूर, पटना साहिब, पेराम्बूर कैरिज वर्क्स, फुलिया, पीलीभीत जं, पलासी, प्रयाग, प्रिंसेपघाट, पुंडूह, पूर्वस्थली, पुरूलिया जं, रायगंज, रामपुर हाट, राणाघाट जं, रंगपाड़ा उत्तरी, रानीगंज, रसूलपुर, रायागढ़, ऋषिकेश, रिशरा, सागर, साहिबगंज, सैंथिया जं, सलेमपुर जं, समुद्रगढ़, सांगली, संग्रामपुर, सानपाड़ा, सांताक्रुज, संतोषपुर, सैफाले, सेनजी पनमबक्कम, सेवरी, शक्तिगढ़, शांतिपुर जं, शिओड़ाफुली, शिकोहाबाद जं, शिवाजीनगर, श्रीरामपुर, श्यामनगर, सिलचर, सिलीगुड़ी जं, सिमुराली, सिंगुर, सिरसा, सीतामढ़ी, सीतापुर जं, सीतारामपुर जं, सोदेपुर, सोनारपुर जं, सोंदलिया, सेंट थॉमस माऊंट, सुभाषग्राम, सब्जीमंडी, सुल्तानगंज, सूरी, सूर्यपुर, टकी रोड, तला, तांबरम, तारकेश्वर, तारापीठ रोड, ठाकुरनगर, तिलकनगर, तिरूनिनरावुर, तिरूवलंगडु, तिरूवलूर, टीटागढ़, टीटलागढ़ जं, टॉलीगंज, त्रिवेणी, तुर्भी, उल्लाहसनगर, उलुबरिया, उत्तरपाड़ा, वनगांव, वाशी और विरार.

बहु-उद्देशीय परिसर

14. मुझे स्टेशन परिसरों में बहु-उद्देशीय परिसरों के निर्माण की घोषणा करते हुए अति प्रसन्नता हो रही है जहां पर रेल उपयोगकर्त्ताओं को खरीदारी, भोजन के स्टॉल व रेस्तरां, बुक स्टॉल, पीसीओ/एसटीडी/आईएसडी/फैक्स बूथ, दवाइयां व वैरायटी स्टोर, बजट होटल, भूमिगत पार्किंग आदि की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी. इन बहुउद्देशीय परिसरों को देश के विभिन्न भागों में इस वर्ष ऐसे 50 रेलवे स्टेशनों पर विकसित करने का प्रस्ताव है जो तीर्थ, उद्योग और परिवहन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं. इन सुविधाओं के विकास की जिम्मेदारी इरकॉन और रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपी जाएगी.

49 चिन्हित स्टेशनों की एक सूची नीचे दी गई है:

अलीपुरद्वार, इलाहाबाद, आन्नदपुर साहिब, बांसपानी, बिकानेर, बिलासपुर, कटक, दार्जलिंग, देहरादुन, दिग्घा, दुर्ग, एर्णाकूलम, गांधीधाम, गंगासागर, घाटशीला, ग्वालियर, हजूर साहिब, हुबली, हैदराबाद, इंदौर, जबलपुर, जम्मूतवी, जसीडीह, झांसी, जोधपुर, कन्याकुमारी, काठगोदाम, कतरा, खजुराहो, मदुरई, मनमाड, मैसूर, नादेड़, नासिक, पालाकाडा, पारसनाथ, रायबरेली, रायपुर, राजगीर, रामेश्वरम, रांची, शिरडी, सिलचर, तारापीठ, तिरूचिरापल्ली, उदयपुर, उज्जैन, बरोदरा और विशाखापटनम.

साफ-सुथरी गाड़ियां और स्टेशन

15. चालू वर्ष के दौरान हम 200 अतिरिक्त जोड़ी गाड़ियों पर "ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग स्कीम" (ओबीएचएस) का विस्तार करेंगे तथा धुलाई की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हेतु आधुनिक मशीनी स्वचालित लॉन्ड्रीज द्वारा **बेहतर लिनेन प्रबंधन** भी करेंगे. शुरूआत में एक पायलट परियोजना मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नै तथा तिरूवनंतपुरम जैसे महानगरों में प्रारंभ की जाएगी. इसके सफल होने पर इसका अन्य शहरों पर भी विचार किया जाएगा.

16. रेलवे मानक रैम्प, निर्धारित पार्किंग लॉट, मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों में विशेष रूप से डिजाइन किए गए डिब्बों, लिफ्ट तथा स्वचालित सीढ़ियों को चरणबद्ध रूप में उपलब्ध कराकर शारीरिक रूप से विकलांग और वृद्ध व्यक्तियों की ओर सहायता का हाथ बढ़ाएगी.

17. हम स्वचालित उद्घोषणा सहित गाड़ी सूचना प्रणाली, जोकि मुंबई में पहले ही स्थापित की जाने की प्रक्रिया में है, को कोलकाता, चेन्नै और दिल्ली में भी आरंभ करेंगे. अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों को चरणबद्ध तरीके से शामिल किया जाएगा.

डॉक्टर ऑन ट्रेन

18. हम लंबी दूरी की गाड़ियों में कम-से-कम एक डॉक्टर की तैनाती करने की संभावनाओं को तलाश रहे हैं. प्रारम्भ में चेन्नै, बेंगलूरू, दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता और भुवनेश्वर में **एम्बुलैंस सेवाएं** प्रदान कराने की व्यवस्था की जाएगी.

19. महोदया, मुझे यह जानकारी देते हुए हर्ष हो रहा है कि रेलवे लंबी दूरी के यात्रियों के सुखद यात्रा अनुभव हेतु राजधानी, शताब्दी और अन्य महत्वपूर्ण लंबी दूरी की इंटरसिटी गाड़ियों में **'ऑन-बोर्ड सूचना एवं मनोरंजन सेवाएं'** प्रदान करेंगी.

20. **पर्यावरण हितैषी ग्रीन शौचालयों** की शुरुआत करने के लिए फील्ड परीक्षण किए जा रहे हैं. हवाई जहाजों में इस्तेमाल किए जाने वाले वैक्यूम शौचालयों का भी कुछ सवारी डिब्बों में परीक्षण करने की योजना है.

21. डीएमयू और मेमू गाड़ियों में, जिनका यात्रा समय 4 घंटे से कम होता है, शौचालय की सुविधाएं मुहैया नहीं कराई जा रही है. इससे महिलाओं, बच्चों और वृद्धों को परेशानी होती है. अब हमारी योजना, जहां दो घंटों से अधिक की यात्रा है वहां शौचालय सुविधाएं प्रदान करने की है. इसमें थोड़ा समय लगेगा पर हम इसे जल्द से जल्द पूरा करेंगे.

टिकटिंग और आरक्षण

22. भारतीय रेल यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) अब 6872 टर्मिनलों के साथ 800 स्थानों पर कार्य कर रही है. हम 200 नए नगरों और शहरों में इस प्रणाली को लगाएंगे और 800 शहरों में, जहां पीआरएस की सुविधाएं पहले से मौजूद है, नए स्थानों पर इसे लगाया जाएगा. महोदया, **मैं दोनों सदनों के माननीय संसद सदस्यों को आमंत्रित करती हूं कि वे अपनी पसंद के एक पीआरएस स्थल की पहचान** करके नए स्थानों को सूची में शामिल करने के लिए रेलवे को सूचित करें.

23. अनारक्षित टिकटों हेतु **अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (यूटीएस)** टर्मिनलों की संख्या को 5000 से बढ़ाकर 8000 किया जा रहा है. बड़े और मध्यम आकार के 200 स्टेशनों पर **स्वचालित वेंडिंग मशीने** लगाई जाएंगी. यात्रियों की सहूलियत के लिए हम ई-टिकटिंग का विस्तार कर रहे हैं. चार्ट बन जाने के बाद कन्फर्म्ड ई-टिकटों को रद्द करने की प्रक्रिया को और सरल बनाया जा रहा है. वित्तीय वर्ष के अंत तक अपडेट वेट-लिस्ट वाले टिकटों की अद्यतन सूचना और कन्फर्म्ड टिकटों को शायिका संख्या की सूचना **एसएमएस अपडेड** द्वारा भेजने के संबंध में प्रयास जारी है.

"मुश्किल आसान"

24. महोदया, "मुश्किल आसान" यह जानकर अति प्रसन्न होंगे कि कैसे यू टी एस की सुविधा **"मा माटी मानुष"** तक पहुंच सकती है. रेलवे और डाक विभाग के बीच हुए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत यात्री अब शहरों और नगरों में स्थित लगभग 5000 डाक घरों से कंप्यूटरीकृत टिकटें खरीद सकते हैं. महोदया, सम्मानित सदन को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मैंने शहरों और ग्रामीण इलाकों में आरक्षित और अनारक्षित-टिकटें जारी करने के लिए **"मुश्किल आसान"** नाम की मोबाइल टिकट वैन चलाने का विनिश्चय किया है. गरीब जनता जो टिकटें खरीदने के लिए स्टेशन तक नहीं जा सकते वे बाजारों, मोहल्लों और अन्य व्यस्त स्थलों से टिकटें खरीद सकते हैं. इस वर्ष हम देश में 50 ऐसी मोबाइल, वैनों को चलाएंगे.

इंटरसिटी यात्रा के लिए वातानुकूलित दो मंजिले डिब्बे

25. महोदया, सदन को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि हम इंटरसिटी यात्रा के लिए उच्च क्षमता वाले वातानुकूलित दो मंजिले सवारी डिब्बे शुरू करने के नए उपाय कर रहे हैं. यह बहुत अधिक सुविधाजनक और आरामदायक होंगे.

यात्री सुविधाओं की मॉनीटरिंग

26. इन विभिन्न पहलकदमियों की मॉनीटरिंग के लिए आवधिक पर्यवेक्षण और आकस्मिक निरीक्षण और इस संबंध में जनता की शिकायतें दूर करने के लिए प्रत्येक क्षेत्रीय रेलवे के अपर महाप्रबंधक उत्तरदायी होंगे. प्रत्येक मंडल में क्षेत्रीय स्तर पर एक अधिकारी को पर्यवेक्षण के लिए यह कार्य सौंपा जाएगा.

संरक्षा

27. संरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है. **इसमें समय पर रेलपथ नवीकरण, सिगनलों का आधुनिकीकरण, विभिन्न संरक्षा उपकरण जैसे** डिजिटल अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्टिंग मशीने तथा व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर (डब्ल्यूआईएलडी) शामिल है. योजना अवधि के प्रथम दो वर्षों में 7843 किमी. रेलपथ नवीकरण का कार्य पूरा किया गया है और 2009-10 के लिए 3500

किमी. का लक्ष्य रखा गया है. 66,565 किमी. बड़ी लाइन में से 57,345 किमी. को यंत्रीकृत अनुरक्षण के अंतर्गत लाया गया है.

28. **ऊपरी तथा निचले सड़क पुल** संरक्षा की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं. रेलों तथा राज्य सरकारों के बीच लागत में भागीदारी की मौजूदा प्रक्रिया की समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है. नई धारणा विकसित करने का समय आ गया है जहां आश्वस्त वित्त पोषण से इन परियोजनाओं का निश्चित अवधि में टर्न-की निष्पादन किया जा सकता है. **हम इस मामले को उनके समर्थन के लिए योजना आयोग के साथ उठाएंगे.**

29. **टक्कररोधी उपकरण** पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के 1736 मार्ग कि.मी. पर गाड़ी टक्कर की घटनाओं को रोकने के लिए टक्कररोधी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है. इसके अलावा तीन रेलों यथा दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे पर 1700 मार्ग कि.मी. पर इस प्रणाली के विस्तार का कार्य दो वर्षों में पूरा किए जाने की योजना है. अन्य रेलों पर इसके विस्तार से पूर्व मैं इस परियोजना के कार्यान्वयन की समीक्षा करूंगी.

30. रेलवे बोर्ड द्वारा संरक्षा संबंधी सभी मामलों पर ध्यान दिया जाएगा जो संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेवार होगा तथा इस संबंध में प्रभावी उपाय करेगा.

सुरक्षा

31. **सुरक्षा रेलवे का अन्य प्राथमिकता क्षेत्र है.** रेलें स्टेशनों पर तथा गाड़ियों दोनों में यात्रियों को सुरक्षा प्रदान के अपने प्रयासों को सुदृढ़ कर रही है. सुरक्षा प्रणाली को चुस्त-दुरूस्त बनाने के लिए 140 भेद्य और संवदेनशील रेलवे स्टेशनों के लिए एक **एकीकृत सुरक्षा प्रणाली** तैयार की गई है. हम कमांडों बटालियने तैनात करने की योजना बना रहे और **महिला कमांडो की संख्या भी बढ़ाई जाएगी. महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए महिला रेल सुरक्षा बल दस्ते तैनात किए जा रहे हैं.** खासकर ऐसे सेक्शनों में जहां बड़ी संख्या में महिलाएं नियमित रूप से अकेली यात्रा करती हैं. महोदया, **कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखना हालांकि राज्य सरकार का विषय है, यात्रियों की सुरक्षित यात्रा के लिए हम सभी संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य करेंगे.**

कर्मचारी कल्याण

32. हमें हमारे 14 लाख कर्मचारियों पर गर्व है. वे हमारे विकास के लीडर हैं.

- कर्मचारी क्वार्टरों तथा कालोनियों के सुधार के लिए समवेत कल्याण योजना के अंतर्गत बल दिया जाएगा. 2009-10 के दौरान, **6560 कर्मचारी क्वार्टरों के निर्माण** का प्रस्ताव है.
- बड़े रेलवे मंडलों तथा जोनों, जिसमें भारत-बंगलादेश सीमा पर बोनगांव भी शामिल है, पर **खेल-कूद, सांस्कृतिक तथा शिक्षणोत्तर गतिविधियां** बढ़ाने के लिए **इनडोर स्टेडियमों** का विकास किया जाएगा.
- मेरा **कर्मचारी लाभ निधि में अंशदान को एक वर्ष के लिए बढ़ाकर** 350 रुपए प्रति कर्मचारी इस उपबंध के साथ करने का प्रस्ताव है कि इस अंशदान में से, 100 रुपए प्रति कर्मचारी की राशि महिला सशक्तिकरण तथा रेलवे कर्मचारियों के शारीरिक व मानसिक रूप से विकलांग आश्रितों, **विशेषकर लड़की** की वोकेशनल तथा आक्यूपेशनल हुनर के विकास के लिए प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों और **लड़कियों की उच्च शिक्षा** के लिए ही होगी.
- ग्रुप "डी" कर्मचारियों की **कन्याओं की उच्च शिक्षा के लिए स्कालरशिप की** व्यवस्था करने का मेरा प्रस्ताव है ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें.
- दिल्ली, कोलकाता, मुंबई (कल्याण), चेन्नै, सिकंदराबाद, लखनऊ और जबलपुर में सार्वजनिक निजी भागीदारी के आधार पर **रेलवे भूमि पर सात नर्सिंग कॉलेज खोलने का** प्रस्ताव है ताकि **बेहतर व्यावसायिक अवसर प्राप्त करने के लिए रेलवे कर्मचारियों के आश्रितों को सुविधा हो सके.**
- रेल कर्मचारियों की नई पीढ़ी के बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी के आधार पर मौजूदा रेलवे अस्पतालों से जुड़े **मेडीकल कॉलेज स्थापित करने की योजना बनाई गई है.** ये चेन्नै, हैदराबाद, बिलासपुर, लखनऊ, बारासात, भुवनेश्वर, मैसूर, खड़गपुर, गुवाहाटी, डिब्रूगढ़, जोधपुर, गार्डनरीच, नागपुर, अहमदाबाद, बी आर सिंह अस्पताल, कोलकाता, भोपाल, जम्मू एवं त्रिवेन्द्रम में होंगे.

- 150 से अधिक बिस्तरों वाले 16 अस्पतालों में **मरीजों के साथ आने वाली महिलाओं और पुरुषों के लिए डॉर्मिटरी** बनाई जाएंगी.
- रेल कर्मियों के विशेष **चिकित्सा उपचार** के लिए **महाप्रबंधकों को 4 लाख रुपए तक के मामले स्वीकृत करने का अधिकार** होगा.
- टॉलीगंज के मेट्रो रेलवे अस्पताल को **75 बिस्तर वाले अस्पताल के रूप में अपग्रेड** करने का प्रस्ताव है.
- दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, सिकंदराबाद, बेंगलूरू और बी आर सिंह अस्पताल, कोलकाता के **प्रमुख अस्पतालों** में **बर्न यूनिट** की व्यवस्था कराई जाएगी.
- रेल भर्ती बोर्डों के कार्य संचालनों के बारे में मुझे कई लोगों से टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं. अतः भर्ती नीति और **रेल भर्ती बोर्डों की शीघ्र ही समीक्षा** की जाएगी.
- अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की रिक्तियों के बैक लॉग को पूरा करने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया जाएगा.
- **रेलवे की भर्तियों में** अल्पसंख्यकों, महिलाओं और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को **बेहतर प्रतिनिधित्व** देने के लिए एक योजना बनाने का प्रस्ताव है.
- **शारीरिक विकलांगों** के कोटा की रिक्तियों को भरने के लिए एक **विशेष भर्ती अभियान चलाया** जाएगा.
- हम रेल कर्मियों के बीच **खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों** को प्रोत्साहन देना चाहते हैं. मैं उन सभी रेलवे के खिलाड़ियों की सराहना करती हूँ, जिन्होंने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया। खिलाड़ियों को भर्तियों के उनका वाजिब हिस्सा मिलेगा.

ऑप्टिक फाइबर केबल

33. महोदया, मैंने वर्ष 2001-2002 के रेल बजट में रेलवे लाइन के साथ वाणिज्यिक उपयोग के लिए ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क बिछाने की घोषणा की थी. 8 वर्ष के बाद मुझे इसमें बहुत कम प्रगति दिखाई देती है. अतः महोदया, मैं देश में दूरसंचार के क्षेत्र में क्रांति लाने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति श्री सैम पित्रोदा की अध्यक्षता में **एक विशेषज्ञ समिति के गठन** का प्रस्ताव करती हूँ. यह समिति रेलवे के ऑप्टिक फाइबर केबल नेटवर्क का इस्तेमाल करने और **सूचना प्रौद्योगिकी को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाने** के लिए नए उपाए सुझाएगी.

माल डिब्बे

34. वर्ष 2009-10 के दौरान रेलवे ने चल-स्टॉक कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2008-09 के 11,000 माल डिब्बों की तुलना में 18,000 माल डिब्बों की खरीद करने की योजना बनाई हैं. रेलों पर माल डिब्बों की मांग बढ़ती जा रही है. हमारा **बर्न स्टैंडर्ड से माल डिब्बा इकाइयों की खरीद** करने की प्रक्रिया शुरू करने का प्रस्ताव है. बकाया देयताओं को समाप्त करने के लिए संबंधित मंत्रालयों के साथ बातचीत पहले ही शुरू कर दी है. यह सभी कार्रवाईयां शीघ्र पूरा करने के प्रयास किए जाएंगे, क्योंकि यह इकाई भारी उद्योग मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है.

उत्पादन इकाइयां

35. भारतीय रेलों की उत्पादन इकाइयों ने 2008-09 में बहुत अच्छा निष्पादन किया है. और कई इकाइयों ने उत्पादन तथा उत्पादकता के नए रिकार्ड स्थापित किए हैं.

- **रेल कोच फैक्टरी/कपूरथला** में नए एल एच बी डिजाइन के 121 स्टेनलैस स्टील के सवारीडिब्बों सहित 1558 सवारीडिब्बों का निर्माण किया. वर्ष 2009-10 के लिए 1562 सवारी डिब्बों का लक्ष्य है.
- **सवारीडिब्बा कारखाना/चेन्नै** में 1337 सवारीडिब्बों का उत्पादन किया गया. वर्ष 2009-10 के लिए 1433 सवारी डिब्बों का लक्ष्य है.

- **डीजल इंजन कारखाना/वाराणसी** ने वर्ष 2008-09 में 257 रेल इंजनों का निर्माण किया गया. वर्ष 2009-10 के लिए निर्धारित 250 रेल इंजन के लक्ष्य में अत्यधिक वृद्धि कर उच्च अश्व शक्ति क्षमता के रेल इंजनों के उत्पादन की संख्या 150 रखी गयी है.
- **चित्तरंजन रेल इंजन कारखानें** में अब तक सर्वाधिक 220 रेल इंजनों का निर्माण किया गया जिसमें 54 3-फेज उच्च अश्व शक्ति रेल इंजन शामिल हैं. वर्ष 2009-10 के लिए 250 रेल इंजन का लक्ष्य है.
- **रेल पहिया कारखाना/बेंगलूरू** ने पहिया उत्पादन में वर्ष 2008-09 में 1,96,261 पहियों का निर्माण करके वर्ष 2007-08 के पहिया उत्पादन की तुलना में 35% अधिक उत्पादन किया है. वर्ष 2009-10 में 2,00,000 पहियों के उत्पादन का लक्ष्य है.
- **डीजल आधुनिकीकरण कारखाना**-डीजल रेल इंजनों के मौजूदा बेड़े को अपग्रेड करके 2600 अश्व शक्ति से 3100 अश्व शक्ति और 3300 अश्व शक्ति डीजल रेल इंजन कर रहा है.

व्यावसायिक आधार पर रेलवे कारखानों को पुनर्गठित करना

36. **हमारे रेल कारखानों की संपूर्ण दक्षता में सुधार करने और इकाई लागत में कमी लाने के** लिए एक व्यवसायिक योजना बनाई जायेगी. इसे गोल्डन रॉक, परेल, अजमेर और खड़गपुर कारखानों में कार्यान्वित किया जायेगा.

रेलवे प्रिंटिंग प्रेस

37. **महोदया, रेलवे की प्रिंटिंग प्रेसों की हमेशा से उपेक्षा की जाती रही है** और उन्हें एक गैर उत्पादक परिसंपत्ति मान लिया गया है. मैरा विश्वास है कि यदि हम कुछ प्रमुख प्रिंटिंग प्रेसों जैसे मुंबई (भायखला), दिल्ली, (शकूरबस्ती), कोलकाता (हावड़ा), चेन्नै को अपग्रेड करने और उनका आधुनिकीकरण करने का प्रयास करें तो यह न केवल किफायती ही होगा, बल्कि आनुषंगिक विकास और वाणिज्यिक परियोजनों के लिए अतिरिक्त स्थान भी उपलब्ध हो सकेगा. मैंने इस संबंध में नीति की समीक्षा करने के लिए कहा है. मैं यह भी जानती हूँ कि पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार का एक सार्वजनिक उपक्रम **बसुमति साहित्य मंदिर** एक विरासती संस्थान हैं जो पिछले

दो सालों से बेकार पड़ा है. इस महान संस्थान ने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, रविन्दनाथ टैगोर, ऋषि अरविन्द, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, श्री श्रीरामकृष्ण और विवेकानन्द जैसी प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक हस्तियों से जुड़ा हुआ है. यदि राज्य सरकार इस संस्थान को रेलवे को सौंपने के लिए तैयार हो तो मुझे बड़ी प्रसन्नता होगी.

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम - हमारे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अच्छा कार्य कर रहे हैं.

38. वर्ष 2007-08 के दौरान, रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सभी 10 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने अच्छा निष्पादन किया है और **11,880 करोड़ रुपए का कम्बाईन्ड टर्नओवर** हासिल किया है और **1,950 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ** अर्जित किया है. रेलवे को 261 करोड़ रुपए के कुल लाभांश का भुगतान किया गया है.

मालभाड़ा व्यवसाय

39. रेलवे द्वारा ढोए जाने वाले माल यातायात के अनुपात में सुधार लाने के लिए अनेक उपाय किये जा रहे हैं :

- कोयले, लौह अयस्क, सीमेंट, उर्वरक एवं खाद्यान्न के लदान में बेहतरी लाने के अलावा रेलवे ऑटोमोबाइल, फ्लाई ऐश एवं अन्य **नए यातायात क्षेत्रों में अपनी भागीदारी बढ़ाने के** लिए सतत् प्रयासरत है.
- कंटेनरों को **निजी साइडिंगों** तक जाने की अनुमति दी जाएगी जिससे फुटकर यातायात प्राप्त करने में मदद मिलेगी जिसे इस समय रेलवे द्वारा नहीं ढोया जा रहा है.
- समय की दृष्टि से संवेदनशील कार्यों के लिए निश्चित पारगमन समय के साथ कंटेनर संचालन के लिए एक प्रिमियम सेवा शुरू करने पर विचार किया जा रहा है.
- माल टर्मिनलों के निजी संचालन और विशेष कामोडिटीज के लिए चल स्टॉक के निजी स्वामित्व.
- **निजी माल टर्मिनलों** और **मल्टीमोंडल लॉजिस्टिक पार्कों** के निर्माण और उनके परिचालन के लिए एक नई नीति की घोषणा की जाएगी.

- रेलवे, भागीदारीपरक वित्त पोषण के जरिए विभिन्न व्यवसायों द्वारा प्रयोग की जाने वाली **लॉजिस्टिक पार्कों** की स्थापना करने के लिए राज्य सरकारों और प्रमुख लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं को एक साथ लाने की प्रक्रिया में लगी हुई है.
- प्रस्तावित **पूर्वी एवं पश्चिमी समर्पित माल गलियारों** के साथ **मेगा लॉजिस्टिक हब्स** स्थापित किए जाने की योजना है.

किसानोन्मुखी परियोजना

40. महोदया, आपको मालूम ही है कि हमारे देश में **फल और सब्जियों के बेकार** हो जाने के कारण हर वर्ष **35 से 40 हजार करोड़ रुपए का अनावश्यक नुकसान** होता है. मुझे **सदन को** यह **सूचित करते हुए** बहुत प्रसन्नता है कि रेलवे का फलों एवं सब्जियों, मछलियों इत्यादि जैसे नाश्यवान उत्पादों को उनके चिन्हित उत्पादन स्थलों से उपभोक्ता केन्द्रों तक पहुंचाने के लिए विशेष गाड़ियां चलाकर दूसरी हरित क्रान्ति में अपना योगदान देने का प्रस्ताव है, इससे नाश्यवान उत्पादों की गुणवत्ता और ताज़गी बरकरार रखी जा सकेगी. रेलवे सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी के जरिए **कोल्ड स्टोरेज और ताप नियंत्रित नाश्यवान कार्गो केन्द्रों की स्थापना** एवं उनके परिवहन के लिए सुविधाओं के सृजन में भी प्रोत्साहन देगी. इस प्रयोजन के लिए रेलवे स्थलों का पता लगाने और समुचित सेवाओं की रूपरेखा तैयार करने के लिए व्यावसायिक एजेंसी की मदद भी लेगी.

41. समान आधार पर, लघु उद्योग क्षेत्र के प्रोत्साहन के लिए तिरुपुर, धानेखाली, शांतिपुर इत्यादि **उत्पादन स्थलों से ग्रामीण हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग एवं वस्त्र उत्पाद को उपभोक्ता केन्द्रों** तक पहुंचाने के लिए सुविधा उपलब्ध कराएगें. ये नये बाजारों में उनकी पहुंच एवं ग्राह्यता में अधिकतम वृद्धि करेगी.

सुपरफास्ट पार्सल एक्सप्रेस गाड़ियां

42. **मुझे यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि** निम्नलिखित तीन मार्गों के बीच पायलट आधार पर **"तीव्रतर पार्सल सेवा" के नाम से एक प्रीमियम पार्सल सेवा शुरू की जा** रही है :

तुगलकाबाद (दिल्ली) और रोयापुरम (चेन्नई)

तुगलकाबाद (दिल्ली) और वापी (मुंबई के निकट)

तुगलकाबाद (दिल्ली) और हावड़ा

यह एक समय सारणीबद्ध सेवा होगी जो समर्पित टर्मिनलों से शुरू होगी और जिसके लिए गारंटीशुदा पारगमन समय होगा और इसकी बुकिंग वैब आधारित होगी.

समर्पित माल यातायात गलियारा

43. पश्चिमी तथा पूर्वी मार्गों पर समर्पित माल यातायात गलियारा परियोजना एक **महत्वपूर्ण परियोजना** है **जो देश के गले का हार जैसी है**. देश में अवसंरचना के सृजन ओर रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए इस परियोजना के महत्व को ध्यान में रखते हुए इसे भारतीय रेल की **'डायमंड रेल गलियारा'** परियोजना के रूप में घोषित करना चाहूँगी. **पश्चिमी गलियारा** उत्तरप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा. **पूर्वी गलियारा** दानकुनी के रास्ते लुधियाना से कोलकाता तक जाएगा जो पंजाब, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के रास्ते से गुजरेगा. अन्य ट्रैक मार्गों यथा **उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण** और **दक्षिणी (चेन्नै और गोवा) गलियारों** के लिए व्यावहारिकता अध्ययन किए गए हैं और रेल मंत्रालय इस संबंध में आगे कार्रवाई करने के लिए कदम उठाएगा.

44. सरकार ने **पूर्वी गलियारे** का दानकुनी तक विस्तार करने के कार्य को अनुमोदित कर दिया है. इस परियोजना को समयबद्ध आधार पर और किफायती रूप में कार्यान्वित करने के लिए मैं एक विशेषज्ञ समिति का गठन करूँगी जो सभी पहलूओं की जांच करेगी और एक **सुदृढ़ कार्य योजना** का विकास करेगी.

45. पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के प्रभाव में **दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक गलियारे** का विकास किया जा रहा है जिसमें औद्योगिक हब, रेल पोर्ट संपर्क, लाजिस्टिक पार्क तथा मेगा पावर प्लांट शामिल हैं जिनका कार्यान्वयन **सार्वजनिक निजी भागीदारी** के रूप में किया जाएगा.

46. **मैं दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक गलियारे** के समान ही पूर्वी डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर के साथ पूर्वी औद्योगिक गलियारे के विकास की परिकल्पना करती हूँ. मैं **रेलवे भूमि का रचनात्मक उपयोग** करने का प्रस्ताव करती हूँ. इससे लागत में वृद्धि से भी बचा जा सकेगा और औद्योगिक परियोजनाओं को भी शीघ्र शुरू करने में मदद मिलेगी. इस गलियारे में **औद्योगिक विकास की**

गति तेज करने के लिए, मैंने दानकुनी, माझेरहाट और नवपारा क्षेत्र में चल स्टॉक उत्पादन और असेम्बली सुविधाओं और सवारीडिब्बों की पुर्नस्थापना के लिए निवेश शामिल किया है. इससे पूर्वी औद्योगिक गलियारे के आसपास **रेल आधारित औद्योगिक समूह** की स्थापना के लिए नींव रखी जाएगी जिससे कोयला तथा अयस्क खानों के निकट होने का, श्रमशक्ति की उपलब्धता तथा भारत के सर्वाधिक बड़े धातु बाजार के आंतरिक लाभ प्राप्त किए जा सकेंगे.

47. महोदया, देश में **मैट्रो सवारीडिब्बों** तथा **ईएमयू/एमईएमयू सवारीडिब्बों की बड़े पैमाने पर भारी मांग** है और क्षमता संवर्धन एक तत्काल अनिवार्यता है. **कांचरापाड़ा हालिशहर रेलवे परिसर में** प्रतिवर्ष 500 ऐसे सवारीडिब्बों के निर्माण के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं सहित एक **नए सवारीडिब्बा कारखाने की स्थापना** के बारे में घोषणा करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है. यह कारखाना **संयुक्त उद्यम/सार्वजनिक निजी भागीदारी** के आधार पर स्थापित किया जाएगा.

48. रेलवे ने पहले ही नबीनगर में नेशनल थर्मल पॉवर कॉर्पोरेशन के सहयोग से एक पावर प्लांट की स्थापना के लिए पहल की है, जिससे रेलवे को बिजली की लागत में भारी बचत होने की संभावना है. **ऊर्जा मंत्रालय के साथ विचार-विमर्श के बाद हमने आद्रा में** कर्षण बिजली वितरण में सस्ती दरों पर उपलब्धता हेतु **1000 मेगावाट के पावर प्लांट** की स्थापना का प्रस्ताव किया है. महोदया, जैसा कि मैंने आरंभ में ही अपने भाषण में उल्लेख किया था यह परियोजना अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अल्पविकसित आदिवासी क्षेत्र में स्थित होगी और **आदिवासी क्षेत्र की जनता** के लिए रोजगार के अवसर मुहैया कराने और उन्हे **मुख्य धारा में** शामिल करने में मदद मिलेगी.

रोज़गार के लिए प्रशिक्षण

49. **भारत में युवा लोगों की बहुत बड़ी जनसंख्या** है उनके **आर्थिक सशक्तीकरण और बेहतर भविष्य** के लिए उनके कौशल का विकास और उन्नयन का अत्यधिक महत्व है. राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन में योगदान के रूप में हम अपनी प्रशिक्षु प्रशिक्षण सुविधाओं को सुदृढ़ करेंगे तथा दानकुनी में प्रस्तावित नई सुविधाएं युवा कारीगरों और पर्यवेक्षकों को अत्याधुनिक प्रशिक्षण

प्रदान करेंगी. यह **राष्ट्रीय प्रतिभा कोष में एक उल्लेखनीय योगदान** के रूप में होगा और पूर्वी औद्योगिक गलियारे को राष्ट्र के भावी विकास के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करेगा.

2008-09 में कार्य निष्पादन

50. महोदया, विश्व भर में आर्थिक मंदी के बावजूद पिछले वित्त वर्ष में रेलवे ने 833 मिलियन टन **माल का लदान** किया जो **पिछले वर्ष की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक** है. यातायात प्राप्तियों में 11.4% की वृद्धि हुई और यह आंकड़ा 79,862 करोड़ तक जा पहुँचा. कड़े किफायती उपायों के जरिए व्यय में **676 करोड़ रु. की बचत** की गई. **छठे वेतन आयोग की सिफारिशें के कार्यान्वयन के लिए 13,600 करोड़ रुपए के वितरण** के बावजूद रेलवे ने **17,400 करोड़ रुपए के लाभांश से पूर्व नकद** अधिशेष सफलतापूर्वक सृजित किया और **4,717 करोड़ रुपए की लाभांश दायिता पूरी** करने के बाद **12,681 करोड़ रुपए** के निवेश के लिए **आंतरिक संसाधन** बरकरार रखने में समर्थ रही. वर्ष 2008-09 के लिए **योजना व्यय** 36,773 करोड़ रुपए के संशोधित लक्ष्य की तुलना में **36,336 करोड़ रुपए** रहा.

बजट अनुमान 2009-10

51. महोदया, अब मैं वर्ष 2009-10 बजट अनुमानों के बारे में उल्लेख करना चाहूंगी.

52. महोदया, मैं रेलवे के 2009-10 कार्य-निष्पादन में गिरावट के परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2009-10 के लिए बजट अनुमान पेश कर रही हूँ. माल यातायात लदान **850 मिलियन टन** के लक्ष्य की तुलना में 17 मिलियन टन कम रहा. इसी प्रकार रेलवे की फालतू भूमि के वाणिज्यिक उपयोग से होने वाला प्रत्याशित राजस्व भी संतोषजनक नहीं रहा. इन कमियों का मुख्य कारण **अर्थव्यवस्था में मंदी** प्रतीत होती है.

53. मैं अंतरिम बजट में वर्ष 2009-10 के लिए निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा करने के लिए बाध्य हूँ इस समीक्षा के आधार पर यह बहुत ही स्पष्ट है कि **अंतरिम बजट में निर्धारित किए गए अवास्तविक लक्ष्य** हासिल नहीं किए जा सकते और इनमें मध्य में ही सुधार करने की आवश्यकता हुई. अब मैंने विनिर्माण क्षेत्र और निर्यात में मंदी के रूख को ध्यान में रखते हुए मुख्य बजट में वर्ष

2009-10 के लिए अपेक्षाकृत अधिक वास्तविक लक्ष्य निर्धारित किए हैं. बहरहाल, मुझे **विश्वास है कि दृढ़ निश्चयी 14 लाख रेल परिवारों** के प्रयासों से हम बेहतर निष्पादन स्तर को हासिल करके सदन के समक्ष उपस्थित होंगे.

54. वर्ष 2009-10 के लिए माल यातायात का लक्ष्य **888 मिलियन टन** निर्धारित किया गया है. यह 2008-09 की तुलना में 49 मिलियन टन का वृद्धिपरक लदान देगा, जबकि 2008-09 में वृद्धिपरक लदान केवल 39 मिलियन टन था. यह **महत्वाकांक्षी लक्ष्य** मंदी विरोधी उपाय के रूप में आर्थिक प्रोत्साहन देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे विशेष उपायों तथा अधिक थोक यातायात तथा नये यातायात को आकर्षित करने के लिए रेलों द्वारा किए जाने वाले विशेष प्रयासों को ध्यान में रखते हुए रखा गया है. **लम्बी दूरी के यातायात को हासिल करने** के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं.

55. इन सभी उपायों से 58,525 करोड़ रुपए की माल यातायात से होने वाली आमदनी की संभावना है, जो 2008-09 के निष्पादन से **5,092 करोड़ रुपए** अधिक है. **यात्री यातायात से होने वाली आय 24,309 करोड़ रुपये होने का अनुमान है.** दीर्घकालिक रूख को ध्यान में रखते हुए **10.8% की वृद्धि** की व्यवस्था की गई है.

56. **अन्य कोचिंग आमदनी** के लिए **2,750 करोड़ रुपए** का लक्ष्य रखा गया है जो 2008-09 में किए गए निष्पादन की तुलना में **40% अधिक** होगा. यह मेरा निश्चित मत है कि सामान यानों की उचित मार्केटिंग तथा प्रमुख पार्सल सेवाएं चलाने से हमें इस कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी.

57. महोदया, रेलों को गैर-पारंपरिक स्रोतों से जिनका अभी दोहन नहीं किया गया है, आमदनी की विशाल संभावना है. मैंने **रेल मंत्री के अपने पिछले कार्यकाल** के दौरान इस क्षमता को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किये गये. इस संबंध में अनेक उपायों की पहल की थी. **अब मैं सार्वजनिक निजी भागीदारी के जरिए भूमि तथा वायुमंडल के उपयोग के लिए नए अभिनव** विचार विकसित करूंगी. इन कार्य योजनाओं की गहन निगरानी की जाएगी ताकि अगले तीन वर्ष में भारी राजस्व हासिल किया जा सके. फुटकर आय के लिए 2,760 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा

गया है. लेकिन एक बार ये उपाय शुरू हो जाएं तो मुझे विश्वास है कि हम न केवल इसमें और सुधार ला सकेंगे. अपितु चमत्कार करने में सफल होंगे.

58. यातायात उचंत से होने वाली प्राप्ति 75 करोड़ रुपए की है, जबकि 2008-09 में निष्पादन 25 करोड़ रुपए का था. पुराने अनुमानों के आधार पर **सकल संचालन प्राप्तियां 88,419 करोड़ रुपए** होने की संभावना है जो कि 2008-09 के वास्तविक आंकड़ों की तुलना में **8,557 करोड़ रुपए की वृद्धि** का परिचायक हैं.

59. मेरा प्रस्ताव **साधारण संचालन व्यय को 62,900 करोड़ रुपए** तक रखने का है ताकि छठे वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने के अनुसरण में 2009-10 में देय वेतन के 60% बकाया के वितरण और अनुरक्षण खर्चों के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो सके. बहरहाल, मैं साथ ही यह प्रयास भी कर रही हूँ कि **कड़े किफायती उपाय** अपनाए जाएं ताकि संचालन व्यय में पर्याप्त रूप से बचत हो सके. **कुल संचालन व्यय 81,665 करोड़ रुपए** होने की संभावना है जिसमें **मूल्यह्रास आरक्षित निधि** में विनियोग के लिए **5,325 करोड़ रुपए** और **पेंशन निधि** में विनियोग के लिए **13,440 करोड़ रुपए** शामिल हैं.

60. 2009-10 में **14,600 करोड़ रुपए** की सीमा तक **छठे वेतन आयोग के प्रभाव को आत्मसात करने** के बाद **लाभांश से पहले रेलों का नकद** अधिशेष **14,201 करोड़ रुपए,** शुद्ध राजस्व 8,121 करोड़ रुपए और **संचालन अनुपात 92.5%** बनता है.

61. महोदया, छठे वेतन आयोग के कारण कार्य संचालन व्ययों में वृद्धि तथा अर्थव्यवस्था में आर्थिक मंदी के मिश्रित प्रभाव के बावजूद रेलवे ने 2008-09 में 4,717 करोड़ रुपए की पूरी लाभांश दायिता का भुगतान किया है. तथा **2009-10 में 5,479 करोड़ रुपए की उच्चतर दायिता का भी भुगतान** करेगा.

62. उपर्युक्त संभावनाओं के आधार पर 2009-10 के लिए रेलवे का **आधिक्य 2,642 करोड़ रुपए** होगा जो कि रेलवे निधि में विनियोजित किया जाएगा.

रियायत

इज्जत

63. महोदया, **हर आदमी इज्जत से जीना चाहता** है. जिन्दगी का सफर तो इज्जत से ही शुरू होता है. रेल का सफर भी एक जिन्दगी का सफर है. मैं चाहती हूँ हर आदमी हमारी रेल पर इज्जत से सफर करे. इसलिए **गरीब-से-गरीब को भी इज्जत से सफर करने के लिए एक तोहफा देना चाहती हूँ.** मैं एक **नई स्कीम** की घोषणा करना चाहती हूँ जिसका नाम भी **इज्जत** है. इसके अंतर्गत असंगठित क्षेत्र के सदस्यों के 1,500 रुपए प्रतिमाह से कम आय वालों को केवल **25 रुपए** में 100 किमी. दूरी के लिए **एम एस टी** भी दिया जाएगा जिस पर कोई सरचार्ज नहीं लगेगा. इससे देश के लाखों लोगों को रेल से सम्मान से सफर करने का मौका मिलेगा. यह स्कीम संसद सदस्यों के सहयोग से कार्यान्वित होगी. अब मैं एक शेर पढ़ती हूँ.

"भंवर से लड़ो,
तुम लहरों से उलझो,
कहाँ तक चलोगे,
किनारे-किनारे"

प्रेस संवाददाताओं को रियायतें

64. अब मैं प्रेस पर आती हूँ. इन्हें कूपन देने की बजाए अब यह प्रस्ताव है कि प्रेस सूचना ब्यूरो और अन्य सक्षम राज्य और स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा दिए गए प्रमाणन के आधार पर उन्हें फोटो प्रमाण-पत्र कम क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएं. इस कार्ड को दिखाने पर प्रेस संवाददाताओं को आरक्षण प्राप्त करने तथा यात्री आरक्षण प्रणाली/अनारक्षण टिकट प्रणाली के काउंटरों से टिकट प्राप्त करने में सुविधा होगी. इसमें ऐसी सुविधा होगी कि प्रेस संवाददाता अपने परिवार के ऐसे सदस्यों को अपने साथ बैठा सकें जो इस सुविधा को प्राप्त नहीं कर रहे हों. इसके अलावा, **प्रेस**

संवाददाताओं के लिए रियायत को बढ़ाकर 30% से 50% किया जाएगा और **पति/पत्नी के साथ यात्रा के लिए वर्ष में एक बार 50% की रियायत** दी जाएगी.

65. अब **विद्यार्थियों के लिए रियायतें.** विद्यार्थी हमारा गौरव है. बालिकाओं के लिए स्नातक स्तर तक तथा बालकों के लिए 12वीं स्तर तक स्कूल से घर के बीच द्वितीय श्रेणी में यात्रा के लिए निशुल्क मासिक सीजन टिकटें अब **मदरसा, उच्च मदरसा तथा सीनियर मदरसा** में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी दी जाएंगी. मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता है कि 12वीं कक्षा, मदरसा, उच्च मदरसा तथा सीनियर मदरसा तक स्कूल में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध रियायती मासिक सीजन टिकटें अब मेट्रो रेल कोलकाता में भी यात्रा के लिए अनुमेय होंगी. इसमें **विद्यार्थियों** के लिए मेट्रो किराये में **60% की रियायत** लागू होंगी. **मान्यताप्राप्त वोकेशनल संस्थान** में जाने वाले विद्यार्थियों को भी मेट्रो किराये में रियायत दी जाएगी. आशा है कि अन्य मेट्रो प्रणालियों पर ऐसी ही रियायतें दी जाने को प्रेरणा मिलेगी.

केवल महिला स्पेशल

66. महोदया, हमारे देश में कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़ी है. कार्य के लिए उन्हें यात्रा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. अतः मैं मुंबई उपनगरीय पैटर्न पर दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता उपनगर में 'केवल महिलाओं' के लिए ई एम यू गाड़ियां चलाने की घोषणा करती हूँ. ये गाड़ियां कार्य समय के दौरान महिला यात्री की सुविधा के लिए चलाई जाएगी.

गाड़ी सेवाएं

67. **युवा गाड़ियां** : महोदया, युवा पीढ़ी हमारी संपत्ति है और हमें उनपर गर्व है. आर्थिक कठिनाइयों के कारण गरीब युवा हमारी गाड़ियों में यात्रा नहीं कर पाते हैं. मैं विशेष रूप से **युवा पीढ़ी के लिए समर्पित "युवा गाड़ियां"** चलाऊंगी. ऐसी गाड़ियां प्रमुख नगरों के बीच चलाई जाएंगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि युवा और कम आय समूह वाले व्यक्ति इन शहरों के बीच कम किराये पर यात्रा कर सके. इन कम किराये वाली तेज रफ्तार गाड़ी सेवाओं को ग्रामीण इलाकों से प्रमुख मेट्रो/नगरों को जोड़ने के लिए चलाया जायेगा. ऐसी गाड़ियां **वातानुकूलित** होंगी और इनमें बैठने का स्थान होगा तथा ये गाड़ियां 1000 किमी. से 2500 किमी. के बीच एक स्थान

से दूसरे स्थान के बीच चलेगी. इनका किराया 1500 किमी. तक 299 रुपए और 2500 किमी. तक की दूरी के लिए 399 रुपए होगा.

निम्नलिखित सेक्शनों पर आगामी तीन महीनों के भीतर पायलट सेवा के रूप में एक साप्ताहिक गाड़ी चलाई जाएगी.

(क) मुंबई से दिल्ली

(ख) दिल्ली से कोलकाता

यदि यह प्रयोग सफल रहा तो इसे देश के अन्य भागों में भी इस प्रकार की गाड़ियां चलायी जाएगी.

68. **इज्जत, विद्यार्थी एवं प्रेस रियायतों, महिला स्पेशल और युवा गाड़ियों** के बाद अब मैं **"ड्यूरोन्टो"** के नाम से एक नई गाड़ी सेवा की ओर आती हूँ. "ड्यूरोन्टो" के नाम से एक नई गाड़ी सेवा चलाई जाएगी जिसमें **वातानुकूल और गैर-वातानुकूल शायिकाएं** होंगी और यह देश भर में चुनिंदा नगरों के बीच **एक स्थान से दूसरे स्थान तक बिना रुके** चलाई जाएंगी. हमारे इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब हम बिना रुके चलने वाली गाड़ियां चलाएंगे.

ड्यूरोन्टो गाड़ी सेवाएं

1 नई दिल्ली-जम्मूतवी बिना रुके (सप्ताह में तीन दिन)
2 हवड़ा-मुंबई (वातानुकूलित) बिना रुके (सप्ताह में दो दिन)
3 मुंबई-अहमदाबाद (वातानुकूलित) बिना रुके (सप्ताह में तीन दिन)
4 चेन्नै-दिल्ली बिना रुके (सप्ताह में दो दिन)
5 नई दिल्ली-लखनऊ बिना रुके (सप्ताह में तीन दिन)
6 दिल्ली-पुणे (वातानुकूलित) बिना रुके (सप्ताह में दो दिन)
7 हावड़ा-दिल्ली बिना रुके (सप्ताह में दो दिन)
8 नई दिल्ली-इलाहाबाद बिना रुके (सप्ताह में तीन दिन)
9 सियालदह-नई दिल्ली बिना रुके (सप्ताह में दो दिन)
10 कोलकाता-अमृतसर बिना रुके (सप्ताह में दो दिन)
11 भुवनेश्वर-दिल्ली बिना रुके (साप्ताहिक)
12 एर्णाकुलम-दिल्ली बिना रुके (साप्ताहिक)

अन्य नई गाड़ी सेवाएं

69. यात्रियों की बढ़ती हुई मांग के चलते मेरा निम्नलिखित गाड़ी सेवाओं को प्रारंभ करने का भी प्रस्ताव है. मैं केवल थोड़ी सी ही गाड़ियां दे रही हूँ जैसा कि एक महीने की बजट तैयारी के भीतर संभव था.

(क) नई गाड़ियां

1 विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद-मुंबई सुपरफास्ट (सप्ताह में दो दिन)
2 श्रीगंगानगर-दिल्ली-नांदेड़ सुपरफास्ट (साप्ताहिक)
3 न्य जलपाईगुड़ी-सियालदह सुपरफास्ट (सप्ताह में तीन दिन)
4 बंगलौर-हुबली-शोलापुर सुपरफास्ट (सप्ताह में तीन दिन)
5 हावड़ा-बंगलौर सुपरफास्ट (साप्ताहिक)
6 पुणे-दौंड-शोलापुर सुपरफास्ट (प्रतिदिन)
7 रांची-हावड़ा (3 दिन वरास्ता घाटशिला-खड़गपुर और 3 दिन वरास्ता आसनसोल) इंटरसिटी (सप्ताह में छह दिन)
8 कामाख्या-पुरी एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
9 जबलपुर-अम्बिकापुर एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
10 गांधीधाम-हावड़ा सुपरफास्ट (साप्ताहिक)
11 दिल्ली-सादुलपुर एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन)
12 अजमेर-भोपाल एक्सप्रेस (9655/56 अजमेर-रतलाम और 9303/04 रतलाम-भोपाल एक्सप्रेसों के एकीकरण पर) (प्रतिदिन)
13 बिलासपुर-तिरूनवेल्ली (तिरूवन्नतपुरम) सुपरफास्ट (साप्ताहिक)
14 मुंबई-कारवार सुपरफास्ट (सप्ताह में तीन दिन)
15 दुर्ग-जयपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
16 डिब्रूगढ़ टाउन-चंडीगढ़ एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
17 दिल्ली-फरक्का एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन)
18 निजामुद्दीन-बंगलौर राजधानी एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) वरास्ता काचेगुड़ा
19 न्यू जलपाईगुड़ी-दिल्ली एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन) वरास्ता बरौनी
20 मुंबई-वाराणसी सुपरफास्ट (प्रतिदिन)
21 मैसूर-यशवंतपुर एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
22 कोरापुट-राऊरकेला एक्सप्रेस (प्रतिदिन) वरास्ता रायगढ़ा
23 आगरा-अजमेर इंटरसिटी सुपरफास्ट (प्रतिदिन)
24 मुंबई-जोधपुर-बीकानेर सुपरफास्ट (सप्ताह में दो दिन)
25 आगरा-लखनऊ जं. इंटरसिटी (प्रतिदिन)
26 हापा-तिरूनवेल्ली सुपरफास्ट (सप्ताह में दो दिन) वरास्ता तिरूवन्ननतपुरम
27 ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस (सप्ताह में 5 दिन दिन) वरास्ता गुणा
28 कन्याकुमारी-रामेश्वरम एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) वरास्ता मदुरै
29 हावड़ा-हरिद्वार सुपरफास्ट (सप्ताह में 5 दिन)
30 वाराणसी-जम्मूतवी सुपरफास्ट (प्रतिदिन)
31 गोरखपुर-मुंबई सुपरफास्ट (प्रतिदिन)

32 नई दिल्ली-गुवाहाटी राजधानी एक्सप्रेस (साप्ताहिक) वरास्ता मुज्जफ्फरपुर
33 बीरावाल-मुंबई लिंक सर्विस (प्रतिदिन)
34 रांची-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
35 झांसी-छिंदवाड़ा एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन) वरास्ता बीना-भोपाल
36 मुंबई-जोधपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
37 जमालपुर-गया पैसेंजर (प्रतिदिन)
38 झाझा-पटना एमईएमयू (प्रतिदिन)
39 कानपुर-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस (सप्ताह में 6 दिन)
40 भोपाल-लखनऊ-प्रतापगढ़ सुपरफास्ट (साप्ताहिक)
41 लखनऊ-रायबरेली-बंगलौर सुपरफास्ट (साप्ताहिक)
42 शिमोगा-बंगलौर इंटरसिटी एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
43 मदुरै-चेन्नै (सप्ताह में दो दिन)
44 गुवाहाटी-न्यू कूचविहार एक्सप्रेस इंटरसिटी (प्रतिदिन)
45 बल्लूरघाट-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस (प्रतिदिन) वरास्ता किशनगंज
46 अलीपुरद्वार-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस इंटरसिटी (प्रतिदिन) वरास्ता सिलीगुड़ी
47 धरमनगर- अगरतल्ला फास्ट पैसेंजर (प्रतिदिन)
48 रेवाड़ी-फुलेरा पैसेंजर (प्रतिदिन) वरास्ता रिंगस
49 शोरानूर-नीलामबूर रोड पैसेंजर (प्रतिदिन)
50 कोयम्बटूर-शोरानूर पैसेंजर (प्रतिदिन)
51 मथुरा-कासगंज पैसेंजर (प्रतिदिन)
52 फरक्का-कटवा-अजीमगंज-नवद्वीपधाम एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
53 बंगलौर-कूचुवेली सुपरफास्ट (साप्ताहिक)
54 कोलकाता-रामपुरहाट एक्सप्रेस (प्रतिदिन)
55 न्यू जलपाईगुड़ी-दीघा एक्सप्रेस (साप्ताहिक)
56 पुरूलिया-हावड़ा एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन)
57 कोलकाता-बीकानेर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) वरास्ता नागौर

(ख) गाड़ियों का विस्तार

1 6517/6518 बंगलौर-मंगलौर का कन्नूर तक विस्तार (प्रतिदिन)
2 329/330 अंडाल-सैंथिया का रामपुरहाट तक विस्तार (प्रतिदिन)
3 1105/1106 झांसी-बैरकपुर का कोलकाता तक विस्तार (साप्ताहिक)
4 6787/6788 मदुरै-जम्मूतवी का तिरूनलवेल्ली तक विस्तार (साप्ताहिक)
5 7013/7014 हैदराबाद-उस्मानाबाद का पुणे तक विस्तार (सप्ताह में तीन दिन)
6 2075/2076 तिरूवन्नतपुरम-एर्णाकुलम का कोजीकोडे तक विस्तार (प्रतिदिन)

7 213/214 मैसूर-तिरूपति का चामराजनगर तक विस्तार (प्रतिदिन)
8 2329/2330 सियालदह-नई दिल्ली का अमृतसर तक विस्तार (साप्ताहिक)
9 5761/5762 रांची-अलीपुरद्वार का गुवाहाटी तक विस्तार (सप्ताह में दो दिन)
10 9269/9270 पोरबन्दर-बापूधाम-मोतीहारी का मुज्जफ्फरपुर तक विस्तार (सप्ताह में दो दिन)
11 1471/1472 जबलपुर-भोपाल एक्सप्रेस का इंदौर तक विस्तार (प्रतिदिन)
12 6885/6886 एर्णाकुलम-तिरूचिरापल्ली का नागौर तक विस्तार (प्रतिदिन)
13 2177/2178 हावड़ा-आगरा कैंट चम्बल एक्सप्रेस मथुरा (साप्ताहिक)
14 3113/3114 कोलकाता-मुर्शीदाबाद हजार द्वारी एक्सप्रेस का लालगोला तक विस्तार (प्रतिदिन)
15 2993/2994 मुंबई-जयपुर एक्सप्रेस का दिल्ली तक विस्तार (सप्ताह में तीन दिन)
16 2555/2556 गोरखपुर-भिवानी का हिसार तक विस्तार (प्रतिदिन)
17 2685/2686 मंगलौर-चेन्नै का पुडूचेरी तक विस्तार (सप्ताह में एक दिन)
18 2143/2144 नागपुर-गया दीक्षाभूमि एक्सप्रेस का विस्तार छत्रपति शाहूजी महाराज टर्मिनल कोल्हापुर तक एक तरफ तथा धनबाद तक दूसरी तरफ (साप्ताहिक)
19 2725/2726 बंगलौर-हुबली इंटरसिटी का धारवाड़ तक विस्तार (प्रतिदिन)
20 8425/8426 रायपुर-भुवनेश्वर का पुरी तक विस्तार (प्रतिदिन)
21 8413/8414 पाराद्वीप-भुवनेश्वर का पुरी तक विस्तार (प्रतिदिन)
22 8415/8416 पुरी-किंडूझारगढ़ का बारबिल तक विस्तार (प्रतिदिन)
23 2173/2174 मुंबई-कानपुर उद्योगनगरी एक्सप्रेस का प्रतापगढ़ तक विस्तार (सप्ताह में दो दिन)
24 1पीआर/2पीआर प्रतापगढ़-रायबरेली पैसेंजर का लखनऊ तक विस्तार (प्रतिदिन)
25 2821/2822 हावड़ा-भुवनेश्वर धौली एक्सप्रेस का पुरी तक विस्तार (प्रतिदिन)
26 4227/4228 वाराणसी-लखनऊ का कानपुर तक विस्तार (प्रतिदिन)
27 2985/2986 सियालदह-जयपुर का अजमेर तक विस्तार (प्रतिदिन)

(ग) फेरों में वृद्धि

1 2685/2686 चेन्नै-मंगलोर (सप्ताह में 3 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन)
2 2423/2424 नई दिल्ली-गुवाहाटी राजधानी एक्सप्रेस (सप्ताह में 5 दिन से बढ़ाकर 6 दिन)
3 2443/2444 नई दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस (सप्ताह में 2 दिन से बढ़ाकर 4 दिन)
4 7091/7092 सिकंदराबाद-पटना (सप्ताह में 2 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन)
5 2739/2740 सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस (सप्ताह में 4 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन)
6 2111/2112 अमरावती-मुंबई एक्सप्रेस (सप्ताह में 3 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन)
7 2957/2958 अहमदाबाद-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस (सप्ताह में 6 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन)
8 2149/2150 पुणे-पटना एक्सप्रेस (सप्ताह में 4 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन)

9 2487/2488 जोगबनी-दिल्ली एक्सप्रेस (सप्ताह में 5 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन)
10 2823/2824 निजामुद्दीन-दुर्ग छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति (सप्ताह में 2 दिन से बढ़ाकर 3 दिन)
11 2985/2986 सियालदह-जयपुर एक्सप्रेस (सप्ताह में 2 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन)
12 2905/2906 पोरबंदर-हावड़ा (वरास्ता हापा) (सप्ताह में 2 दिन से बढ़ाकर 3 दिन)
13 4207/4208 दिल्ली-प्रतापगढ़ पद्मावत एक्सप्रेस (सप्ताह में 3 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन)

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

70. भारत और बांग्लादेश दोनों अपने अपनी साझी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के कारण बहुत व्यापक और सामरिक रूप से रेलनेटवर्क से जुड़े हुए हैं. मालगाड़ियों के बदलाव के अलावा, कोलकाता और ढाका के बीच अप्रैल, 2008 से एक यात्री गाड़ी चल रही है जिसका नाम **मैत्रीय एक्सप्रेस** है. यात्रियों की मांग को देखते हुए दोनों देशों ने यात्रा में लगने वाले समय को घटाने और उनके चालन के दिनों में परिवर्तन करने की सहमति जताई है. भारत और बांग्लादेश रेलवे क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए भी कार्रवाई कर रहे हैं जिसमें बांग्लादेश में रेलवे संबंधी बुनियादी ढांचे का विकास किया जाना शामिल है.

वार्षिक योजना 2009-10

71. महोदया, रेलवे की वार्षिक योजना देश की आर्थिक प्रगति का अग्रदूत है जो कि इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. मेरे द्वारा रेलवे का कामकाज सम्हाले जाने के थोड़े दिनों के भीतर ही वार्षिक योजना 2009-10 के लिए 37,905 करोड़ रुपए के अंतरिम बजट प्रक्षेपण की समीक्षा करते हुए **मैं यह जानकर आश्चर्य चकित रह गई कि 3,400 करोड़ रूपए के संसाधन सार्वजनिक निजी भागीदारी के जरिए जुटाए जाने की व्यवस्था की गई थी** जिनमें से 3,300 करोड़ रूपए तो कभी भी **नहीं जुटाए जा सकते** थे. इसका अर्थ यह हुआ कि 2008-09 में वास्तविक खर्च के स्तर से वार्षिक योजना में सीधी कटौती थी. मैंने यह भी देखा कि रेलवे को सकल बजटीय समर्थन से अपने आनुपातिक हिस्से से कम प्राप्ति हुई जो ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना की व्यवस्थाओं के अनुसार उन्हें दी जानी थी. मैंने तत्काल इस मामले पर **वित्त मंत्री जी से बात की और मुझे सदन को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमें अंतरिम बजट में घोषित 10,800 करोड़ रुपए के अलावा सकल बजटीय सहायता के रूप में 5,000 करोड़ रुपए और मिले हैं.** इससे रेलवे को स्टेशन आधुनिकीकरण, संयुक्त उपक्रम आदि के रूप में नए रेल इंजन कारखानों जैसी परियोजनाओं के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी के लिए 3,300 करोड़

रुपए की व्यवस्था को हटाने के बाद भी, 40,745 करोड़ रुपए का योजना आबंटन बढ़ाने में कामयाबी मिली है.

72. मुझे सदन को यह **सूचित करते हुए प्रसन्नता** है कि कई बाधाओं के बावजूद अंतरिम बजट में की गई घोषणा के अनुरूप रेलवे **15,675 करोड़ रुपए के आंतरिक संसाधन** लगाने में कामयाब रहेंगी. चल स्टॉक की बढ़ी हुई जरूरतों को पूरा करने के लिए बाजार से लिए जाने वाले ऋण को बढ़ाकर 9,170 करोड़ रुपए कर दिया गया. सदन को यह जानकर भी प्रसन्नता होगी कि **वित्त मंत्रालय इस बात के लिए राजी हो गया है कि भारतीय रेल वित्त निगम कई वर्षों पश्चात, एक बार फिर से कर मुक्त बांड जारी कर सकता है.**

73. मैं सदन को योजना आबंटन की कुछ प्रमुख विशेषताओं के बारे में बताना चाहूंगी. संसद में मेरे साथियों और राज्यों से प्राप्त अनेक मांगों के समर्थन में मैंने अंतरिम बजट में **नई लाइनों** के लिए 1,100 करोड़ रुपए के **आबंटन को बढ़ाकर 2,921 करोड़ रुपए** कर दिया है **आमान परिवर्तन के लिए 1,750 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है जो कि अंतरिम बजट में की गई व्यवस्था से 24% अधिक** है. आंतरिक संसाधनों पर बढ़ते हुए दबाव के मद्देनज़र सभी आमान परिवर्तन, दोहरीकरण और रेल विद्युतीकरण के निर्माण कार्यों को पूंजी को अंतरित कर दिया गया है.

74. सार्वजनिक निजी भागीदारी की व्यवस्था को छोड़कर **यात्री सुविधाओं के लिए अंतरिम बजट की व्यवस्था केवल 502 करोड़ रुपए** थी. मुझे यह सूचित करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि इस परिव्यय को **अब बढ़ाकर 1,102 करोड़ रुपए कर दिया गया है जो 119% वृद्धि** का सूचक है इसमें सार्वजनिक निजी भागीदारी के अंतर्गत की गई व्यवस्था शामिल नहीं है.

75. महोदया, रेल कर्मचारी रात दिन कई कठिनाइयों के बावजूद देश की सेवा में जुटे रहते हैं और हर रोज लगभग 17,800 गाड़ियां चलाते हैं. हमें उनकी बुनियादी जरूरतों का ख्याल रखना है. मैं **कर्मचारी क्वार्टरों के लिए आबंटन बढ़ाकर 335 करोड़ रुपए कर रही हूँ जो अंतरिम बजट की तुलना में 49% अधिक** है. कर्मचारी सुविधाओं के लिए आबंटन **बढ़ाकर 424 करोड़ रुपए** कर दिया गया है जो कि अंतरिम बजट की तुलना में **79% अधिक है.**

76. उधमपुर-श्रीनगर, बारामूला, जीरीबा-इम्फाल रोड, दीमापुर-कोहिमा, अजरा-बीरनीहाट, कुमारघाट-अगरतला, अगरतला-सबरुम, बैराबी-सायरंग और सिवोक-रांगपो नई लाइन, बोगीबील

रेल एवं सड़क पुल, लमडिंग-सिलचर जीरीबाम, रंगिया-मुरकोंगसेलेक आमान परिवर्तन राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए वित्त मंत्रालय से **1,949 करोड़ रुपए** की **अतिरिक्त धनराशि** मांगी गई है.

शहरी यातायात सेवाएं

77. थाणे-तुर्भे-नेरूल-वाशी : तुर्भे-नेरूल खंड (4.80 किमी.) के पूरा हो जाने से थाणे-तुर्भे-नेरूल-वाशी परियोजना पूरी हो गई है जिससे थाणे और नेरूल के बीच सीधी गाड़ियां चलाना सुसाध्य होगा.

78. **मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एम यू टी पी) चरण-II -** 5300 करोड़ रुपए की लागत पर बजट 2008-09 में स्वीकृत मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एम यू टी पी) चरण-II को क्रियान्वित किया जा रहा है. अत्यधिक लदी हुई और अत्यधिक उपयोग में आने वाली मुंबई की मौजूदा उपनगरीय प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए मुंबई एलीवेटिड कॉरिडोर (चर्च गेट-विरार) के लिए व्यावहारिकतापूर्ण अध्ययन प्रगति में है.

79. **रेल आधारित उपनगरीय सेवाएं** अर्थात मैट्रो रेलवे, सर्कुलर रेलवे और ईएमयू सेवाएं मुम्बई, कोलकाता और चेन्नई नगरों की जीवनरेखा है. मौजूदा ईएमयू गाड़ियों में अतिरिक्त सबारी डिब्बे लगाकर और अतिरिक्त सेवाएं चलाकर क्षमता बढ़ाने के बावजूद रेल आधारित उपनगरीय प्रणाली बढ़ती हुई जनसंख्या की मांग को पूरा नहीं कर सकेगी और ये अपने प्रारंभिक स्थान से गंतव्य तक दैनिक यात्रियों की जरूरतें पूरी नहीं कर पा रही है. इन शहरों में मौजूदा मैट्रो/सर्कुलर रेलवे/ईएमयू उपनगरीय प्रणाली को एक फीडर मार्ग की कनेकटीवीटी देकर ऊर्जा कुशल रेल आधारित प्रणाली की व्यवस्था करने की अत्यधिक आवश्यकता है. इसलिए यह घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है कि **कोलकाता, मुम्बई और चेन्नई में अत्यधिक किफायती तरीके से मौजूदा उपनगरीय प्रणाली को कनेकटीवीटी उपलब्ध कराने के लिए रेल आधारित ऊर्जा कुशल प्रणाली शुरू करने के लिए एक व्यावहारिक अध्यन किया जायेगा.**

80. कोलकाता को **भारतीय रेल के अंतर्गत सर्कुलर और मैट्रो रेलवे होने के कारण एक अद्वितीय स्थान हासिल है**. हावड़ा को विश्व श्रेणी का स्टेशन घोषित किए जाने के नाते उपनगरीय सेवाओं को विभाजित किए जाने की आवश्यकता है ताकि अपग्रेडेड सुविधाओं का लाभ उठाया जा

सके. इस संदर्भ में साल्ट गोला के लिए उपनगरीय सेवाओं को दूसरे स्थान पर ले जा कर हावड़ा में भीड़-भाड़ को कम करने का कार्य किया जायेगा. बेहतर एकीकरण के लिए हमारी योजना निम्नलिखित कार्यों को शुरू करने की है:

(क) दक्षिणेश्वार-दमदम-बैरकपुर मैट्रो विस्तार
(ख) माजेरहाट में टर्मिनल का विकास
(ग) माजेरहाट-जोका के रास्ते डायमंड हारबर
(घ) डायमंड हारबर से माजेरहाट खिदिरपुर-गार्डररीच-बजबज सहित
(ङ) गरिया से दमदम बरास्ता राजारहाट
(च) बारासाट मेट्रो विस्तार दमदम तक
(छ) बंताला से पार्क सर्कस

81. महोदया, कश्मीर घाटी में अनंतनाग से बारामूला तक एक नई रेल लाइन पहले ही पूरी की जा चुकी है. इसके बाद **काजीगुंड से अनंतनाग तक रेल लाइन को अगस्त 09 तक पूरा कर लिया जाएगा और शीघ्र ही उसका उद्घाटन किया जाएगा.** जम्मू एवं कश्मीर में इस परियोजना का कार्य उधमपुर से कटरा और कटरा से काजीगुंड तक की लाइन पर कुछ कठिनाइयों की वजह से पिछड़ गया है.

82. कटरा-काजीगुंड खंड पर संरेखण की समीक्षा की गई है और इसमें अंतर्ग्रस्त मुद्दों का अध्ययन करने के लिए गठित की गई विशेषज्ञ समिति ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है. **महोदया, मेरी सर्वोपरि चिन्ता यात्रियों की संरक्षा है.** अतः **इस परियोजना के संबंध में निर्णय बहुत सावधानी से लेना होगा.** मैं इस मामले की शीघ्र ही समीक्षा करूंगी और देखूंगी क्यों इस राष्ट्रीय परियोजा में विलम्ब हुआ और **कितनी जल्दी इस कार्य** को पूरा किया जा सकता है.

83. महोदया, पूर्वोत्तर क्षेत्र बहुत संवेदनशील है और अरूणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर तथा मिजोरम की राजधानियों से संपर्क मुहैया कराने के लिए परियोजनाएं प्रगति पर हैं. इस संबंध में, इस क्षेत्र में दस रेल परियोजनाओं को राष्ट्रीय परियोजनाएं घोषित किया गया है जिनमें बोगीवील रेल कम सड़क पुल तथा लमडिंग-सिलचर-जिरीबाम, रंगिया मुरकोंग सेलक का आमान परिवर्तन शामिल है. सिक्किम में सिवोक से रांगपो की राष्ट्रीय परियोजना के कार्य को समयबद्ध आधार पर

पूरा करने के लिए इरकॉन को सौंपे जाने का प्रस्ताव है. गंगटोक और शिलोंग को जोड़ने वाली रेल लाइनों के लिए सर्वेक्षण पूरे कर लिए गए हैं और इन प्रस्तावों पर आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करने के लिए आगे कार्रवाई की जाएगी. इस क्षेत्र में राष्ट्रीय परियोजनाओं को समय पर पूरा करनेके लिए आवश्यक धनराशि सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से **पूर्वोत्तर क्षेत्र रेल विकास निधि** के सृजन के लिए प्रस्ताव पेश किया गया है.

84. **लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन** का कार्य इस क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की प्रतिकूल स्थितियों के कारण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. आवश्यक सुरक्षा मुहैया कराने के लिए संबंधित प्राधिकारियों के साथ इस मामले में बातचीत की गई है ताकि कार्य की प्रगति निर्बाध रूप से हो सके.

85. मैं **सभी राष्ट्रीय परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए इनकी मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारियों को सौंप रही** हूं.

नई लाइनें

86. महोदया, वर्ष 2009-10 में नई लाइनों के निर्माण के लिए 250 कि.मी. का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. कुछ प्रमुख खंड निम्नलिखित है:-

1 देवघर-दुमका का घोरामारा-दुमका
2 तारकेश्वर-बिशनुपुर का बिशनुपुर गोकुलनगर
3 लांजीगढ़-जूनागढ़ का लांजीगढ़-भवानीपटना
4 ऊधमपुर-बारामूला का काजीगुंड-अनंतनाग
5 रेवाड़ी-रोहतक का रेवाड़ी-झज्जर
6 कोट्टूर-हरिहर
7 नांगल जैम-तलवाड़ा का चुरारू टकराला-अम्ब अंदौरा

आमान परिवर्तन

87. 2009-10 के दौरान निम्नांकित खंडों सहित लगभग 1300 कि.मी. के आमान परिवर्तन के कार्य को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है:

1 मिरज-लातुर का पंढरपुर-मिरज
2 मानसी-सहरसा-पूर्णिया का सहरसा दौरम मधेपुरा
3 जयनगर-नरकटियागंज का सीतामढ़ी-बैरगनिया
4 नवपाड़ा-गुनुपुर का परलाकीमीडी- गुनुपुर
5 मथुरा-अनेरा
6 औड़िहार-जौनपुर
7 फकीराग्राम-धुबरी
8 सादुलपुर-बीकानेर-डिगाना का रतनगढ़-डिगाना
9 धर्मावरम-पकाला का मदनापल्लि रोड-धर्मावरम
10 कोलम-पुनालुर
11 रूपसा-बांगरीपोसी का बारीपाड़ा-बांगरीपोसी
12 प्रतापनगर-छोटा उदयपुर का डबोई-छोटा उदयपुर
13 वंशजलिया-जेतलसर
14 अजमेर-फुलेरा
15 भिलड़ी-समदड़ी
16 हैबरगांव-मैरावड़ी
17 वैल्लौर-वेलुपुरम

दोहरीकरण

88. 2008-09 के दौरान 363 कि.मी. का दोहरीकरण किया गया जबकि 2009-10 के लिए 700 कि.मी. के दोहरीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. बजट में फाफामऊ-इलाहाबाद, मानसा-भटिंडा, घुटियारीशरीफ-केनिंग, दक्षिण बारासात-लक्ष्मीकांतपुर, लोहटा-भदोई, जिरत-अम्बिका कलना, मगराहाट-डायमंड हार्बर, यशवंतपुर-येलहंका, येलहंका-चेन्नासंद्रा, ब्रृंदामल-झासुगुडा, फ्लाईओवर गांधीधाम-आदिपुर, गांधीधाम-कांडलापोर्ट और नालिकुल-तारकेश्वर के दोहरीकरण का प्रस्ताव किया गया है.

89. महोदया, इस बजट में तैयारी का समय बहुत ही कम है. **चुनाव का वर्ष होने के कारण आकांक्षाएं बहुत अधिक रहीं.** योजना आयोग का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए मामलों में

कार्रवाई करने का पर्याप्त समय नहीं है. बहरहाल, हम प्रमुख परियोजनाओं को शीघ्र ही आवश्यक अनुमोदन के लिए भेज देंगे. बहरहाल, सदन इस बात से सहमत होगा कि "छोटा सुंदर होता है". अतः अवसंरचना के सृजन की गति को जारी रखने के लिए, मैं निम्न रेल संपर्क प्रस्तावों में कार्रवाई करने का प्रस्ताव करती हूँ.

(क) नई लाइनें:

1. शाहगंज- उंचाहार बरास्ता सुलतानपुर,अमेठी, सालोन
2. बोंगाम-बगदाहा
3. बासपानी-बिमलगढ़-बरसुआ
4. दानकुनी-जोरगलपाड़ा-फुरफुरा शरीफ-जंगीपाडा-बरगछिया
5. चिकबल्लापुर-श्रीसत्यसाईं प्रशान्ति निलयम
6. बालुरघाट-हिल्ली
7. अलमाट्टी-कोप्पल
8. सालबोनी-झारग्राम वाया लालगढ़, बेलपहाड़ी
9. बोलनगीर-नवपाडा रोड
10. दीघा-जलेश्वर-पुरी
11. यादगीर-शाहपुर-शोरापुर-मुद्देबिहल-अलमाट्टी
12. बिष्णुपुर-मुकुटमोनिपुर
13. गदग-हवेरी
14. समसी-दलखोला
15. कृष्णानगर-बेहरामपुर बरास्ता छपरा, करीमपुर
16. गदग-वाडी
17. तारकेश्वर-मगरा पुनर्स्थापन
18. शिमोगा-हरिहर
19. कलियागंज-बुनियादपुर
20. मधुबन-गिरिडिह
21. पंसकुरा-घटल-चंद्राकोना और घटल-आरामबाग
22. अनेकल रोड-बिदादी
23. नामखाना-बक्काली
24. पुणे-नासिक
25. जॉयनगर-रायडिगी

26. राजखरस्वां-राँची
27. हसनाबाद-समशेरनगर
28. मेडक-अक्कानापेट
29. आरामबाग-खाना
30. दातेवाड़ा-मलकानगीरी
31. केनिंग-गोसाबा बरास्ता बसंती
32. विशनुपुरम-वेनुकोंडा
33. काक द्वीप-सागर-कपिलमुनि
34. दुल्लाबछेरा-चिराजी
35. मंदिर बाजार-रामगंगा
36. सम्बलपुर-बेहरामपुर
37. चालसा-झालडाका
38. मदुरै-एर्णाकुलम (कोचींन)
39. घटकपुकुर-मिनाखान
40. बिलारा-बर
41. बरूईपाडा-फुरफुरा शरीफ-आरामबाग
42. रतलाम-बांसवाड़ा-डुंगरपुर
43. कृष्णानगर-नबाद्वीपघाट बीबी लूप तक विस्तार
44. रामनगर-चौखुटिया
45. मचलंदपुर-स्वरूपनगर
46. इरूमली-पथनमथिता-पुनलूर-तिरूवन्नतपुरम
47. अजमेर-सवाईमाधोपुर बरास्त टोंक
48. सैंथिया-चौरीगाछा बरास्ता कांदी
49. यमुनानगर-चंडीगढ़ वाया सधऊरा-नारायणगढ़
50. नादेड़-विदर
51. सिंगुर-नंदीग्राम
52. डववाली-कलाँवाली बरास्ता सिरसा
53. मिरक-गेंगटोक

(ख) अमान परिवर्तन

1 छिंदवाडा-नैनपुर-मंडला फोर्ट

2 अहमदपुर-कटवा

3 नागबिड-नागपुर

(ग) दोहरीकरण

1 ताला-प्रिंसीपघाट-माजेरघाट

2 सिकंदराबाद-महबुबनगर

3 साहिबगंज-भागलपुर

4 मोकामा-आरा

5 रामपुरहाट-घुमानी तीसरी लाइन

6 रेवाड़ी-हिसार

7 दानकुनी-बल्लि तीसरी लाइन

8 बिबिनगर-नल्लापडु

9 कृष्णानगर-लालगोला

10 राजकोट-विरमगाम

11 बंडेल-शक्तिगढ़ तीसरी लाइन

12 झांसी-कानपुर

रेलवे विद्युतीकरण

90. ग्यारवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 3500 मार्ग किमी. के विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए 3500 करोड़ रुपए के परिव्यय की व्यवस्था की गई है. ग्यारवीं पंचवर्षीय योजना के पहले दो वर्षों में 1299 मार्ग किमी. का विद्युतीकरण किया गया है. निम्नलिखित के विद्युतीकरण के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा :

1. जयपुर-सवाईमाधोपुर
2. खाना-फरक्का फेज़ I रामपुर हाट तक
3. गुंतकल-गुटी-बेंगलूरू

91. **तत्काल योजना** को उपयोगकर्त्ताओं के लिए और अधिक अनुकूल बनाने हेतु विभिन्न वर्गों से मांगें प्राप्त हुई है. मैंने वैसा करने का विनिश्चय किया है. तत्काल योजना के अंतर्गत अग्रिम बुकिंग की अवधि 5 दिन से घटाकर 2 दिन कर दी जाएगी, तत्काल टिकट एक सिरे से दूसरे सिरे

तक की बजाय गंतव्य-वार उपलब्ध कराए जाएंगे जिससे यात्रियों पर वित्तीय भार कम होगा. तत्काल प्रभार अब किराए के प्रतिशत के रूप में लगाए जाएंगे जो वर्तमान में 150 रुपए न्यूनतम की बजाय 100 रुपए न्यूनतम के अध्यधीन होंगे.

92. महोदया, रेलवे द्वारा **परियोजना के निष्पादन और कार्यान्वयन में काफी विलंब** होता है. बजट में दर्शाए गए सभी उपायों तथा शुरू की गई परियोजनाओं को निर्धारित लक्ष्य तिथि में पूरा करने के लिए निगरानी की जाएगी. मेरा परियोजना मोनिटरिंग कमेटी का गठन करके **परियोजना मोनिटरिंग तंत्र** का विकास करने का प्रस्ताव है. ताकि समय सीमा का ध्यान रखा जाए तथा परियोजना को पूरा करने में कमी न रहे. इन परिस्थितियों में, दोषपूर्ण नियोजन और अधिक समयावधि की वजह से लागत से जुड़ी भारी बचत हासिल करने की आशा रखती हूँ.

93. महोदया, मैं हमारे यात्रियों के यात्रा अनुभवों में दृष्टिगोचर सुधार लाने की आवश्यकता के प्रति अत्यधिक सचेत हूँ. मैं ऐसे अनेक उपायों के प्रति वचनबद्ध हूँ जिनसे मुझे आशा है कि ये यात्रियों के लिए काफी संतोषजनक होंगे. मुझे इसका भी ज्ञान है कि अर्थव्यवस्था में मंदी से हमारे समाज के गरीब वर्ग पर काफी आर्थिक भार पड़ा है. अतः**, मैं गाड़ियों के किसी भी दर्जे अथवा कोटि के यात्री किरायों में वृद्धि का प्रस्ताव नहीं करती हूँ. इसी तरह मैं मालभाड़ों में भी कोई वृद्धि नहीं करना चाहती हूँ.**

94. अपनी बात खत्म करने से पहले मैं बड़ी विनम्रतापूर्वक सदन के सामने यह कहना चाहूंगी कि चुनाव का साल होने के कारण इस बार बजट बनाने और उसे पेश करने के लिए बहुत ही कम समय मिला है फिर भी मैंने इस थोड़े समय में रेलवे के महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल करने की पूरी कोशिश की है. बहरहाल, मैं सदन को यह बताना चाहूंगी कि आने वाले वर्षों में मैं एक उचित नीति और योजना बनाऊंगी. मेरा इरादा **भारतीय रेल को एक मजबूत जवाबदेह और गतिशील संगठन बनाने का है जिसमें ऊंचे दर्जे की क्षमता और प्रभावशीलता हो.** मैं सदन को यह

विश्वास दिलाना चाहूंगी कि पिछले पांच वर्षों के रेलों के कामकाज के आधार पर एक **श्वेत पत्र** तैयार करूंगी, जिसमें इसकी मौजूदा संगठनात्मक, परिचालनिक और वित्तीय हालत बताई जाएगी तथा इसको प्राप्त करने के लिए **लघु एवं दीर्घकालिक नीति और कार्य योजना** सहित एक **'विजन 2020'** विकसित करूंगी.

95. मैं गुरूदेव के इन शब्दों से शक्ति प्राप्त करती हूँ.

"एंड इट शेल भी माई एंडीवर टू रिवील दी इन माई एक्शन्स,
नोइंग इट इज दाई पावर गिव्ज़ मी स्ट्रेन्थ टु एक्ट"

96. महोदया, हरेक व्यक्ति अपना जीवन भली प्रकार गुजारना चाहता है. रेलवे एक ऐसा संगठन है जो वाणिज्यिक भी है और मानवीय संवेदनाओं से भी युक्त है. **हमारा यह प्रयास रहेगा कि हम सभी वाणिज्यिक सेवाएं मानवीयता को बरकरार रखते हुए** अर्पित करें. यहां मैं दो लाइनें उदृत करना चाहूंगी :

"रोशनी चांद से होती है सितारों से नहीं,
कामयाबी मानवीयता से होती है, जुल्म से नहीं"

97. महोदया, इन्हीं शब्दों के साथ मैं सदन में रेलवे बजट 2009-10 संस्तुत करती हूँ.

****